

पंच कल्याणक महा महोत्सव

- विश्व वंदनीय बेटे ने जिनको विश्व वंदनीय बनाया ऐसे परमात्मा के 'माता-पिता'
- बत्तीस लाख विमानों की मालिकी से भी ज्यादा आनंद जिन्हें प्रभु की चरण सेवा में आता है, ऐसे परमात्मा के 'इन्द्र-इन्द्राणी'
- दुनिया के सबसे 'दौलतमंद' दामाद जिनके आगम को पावन करेंगे ऐसे पुण्यशाली परमात्मा के 'सास-ससुर'
- तीन जगत के अधिपति एवं अयोध्या नगरी के महाराजा के घर 'मामेरा' से सुशोभित करनेवाले ऐसे परमात्मा के 'मामा-मामी'
- अनामी बनने जा रहे प्रभु का अंतिम नामकरण करने के एक मात्र अधिकारी ऐसे परमात्मा के 'भुआ-भुडोसा'
- कर्मरात्रु को पराजित करने निकले प्रिय भ्राता को सुवर्णकटोरी में कुमकुम द्वारा अंतिम विदाई तिलक करने वाली भाग्यशाली 'बहना'
- परमकृपालु परमात्मा के जन्म की आनंददाई बधाई, महाराजा एवं प्रजा तक पहुंचाने वाली सोभाग्यशाली 'धियेवदा दारी'
- नीती-निधान एवं निर्मयता से अलंकृत ऐसे परमात्मा के 'नगर-सेठ'
- जिनकी वाणी मंत्र समान है ऐसे महाराजा के साथ मंत्रणा करने वाले परमात्मा के भाग्यशाली 'महामंत्री'
- ज्योतिष विद्या की कुंजी से बौद्ध महास्वपन के रहस्यवेता 'राज-ज्योतिष'
- अजातत्राज राजा के बिना संगम के विजयश्रृंखला प्राप्त करनेवाले सेनानायक 'सर-सेनापति'
- सागर सी संपति के कुशल संचालक ऐसे 'कोषाध्यक्ष'
- आत्म-शौर्य की शीर्ष भेरी बजाकर मोह सेना को जीतने निकले परमात्मा को हित-शिखा देनेवाली 'कुल-महत्तरा'
- शणी खम्मा-शणी खम्मा के गगन भेदी नाद से कर्णयुगल को पावन बनाने वाले 'छडीदार'
- सुधोषा घंटनाद से दुनिया की मोहनिद्रा दूर करनेवाले 'हरिणगमैषी देव'

च्यवन कल्याणक

तरसता हूँ

अशुभ अध्यवसाय में से
शुभ अध्यवसाय में
होने वाले च्यवन को।



जन्म कल्याणक

तरसता हूँ

पारमार्थिक सम्यक्त्व की
प्राप्ति रूप सच्चे जन्म को।

